गंगा पार जाने को पटना के दाएं-बाएं आठ पुल हो जाएंगे

राज्य ब्यूरो, पटना : पटना के रास्ते गंगा पार यानी उत्तर बिहार जाने के लिए राजधानी के दाएं-बाएं एक-दो नहीं, बल्कि अब आठ पुल हो जाएंगे। सोमवार को दीघा-सोनपुर पुल के समानांतर नए फोर लेन सड़क पुल की मंजूरी मिलने के बाद पटना के पश्चिमी इलाके से उत्तर बिहार की कनेक्टिविटी और सहज हो जाएगी। अगर पटना से लगे भोजपुर जिले में हाल में ही आरंभ हुए आरा-छपरा पुल को भी जोड़ ले तो पटना के दाएं-बाएं बने पुलों की संख्या नौ हो जाती है। इतने पुलों पर संचालन शुरू होने से लोगों को राहत मिल जाएगी।

निर्माण की गति

- तीन पर परिचालन शुरू, दो निर्माणाधीन, तीन और नए पुल बनेंगे
- नए पुलों के शुरू होने से राजधानी के कई हिस्सों का ट्रैफिक लोड कम होगा

कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल का निर्माण पंद्रह जनवरी **2021** में पूरा होगा। इसकी परियोजना लागत **4988** करोड़ है।

बख्तियारपुर-ताजपुर पुल का निर्माण **31** जुलाई **2019** तक पूरा होगा। इस पर **1602.74** करोड़ है।

गांधी सेतु के **सुपर स्ट्रक्चर** बदलने की प्रक्रिया अगले 03 वर्षों में यह काम पूरा होगा।

गांधी सेतु के समानांतर बनने वाले पुल पर **3800** करोड़ खर्च होंगे। इसके डीपीआर पर काम आरंभ होना है।

राजेंद्र सेतु के समानांतर बनने वाला पुल अभी निविदा प्रक्रिया में है।

पश्चिमी छोर की कनेक्टिवटी

राजधानी के पश्चिमी हिस्से से उत्तर बिहार की कनेक्टिवटी दीघा-सोनपुर पुल से आरंभ हुई है। इस पुल के समानांतर एक अन्य फोर लेन के निर्माण को भी सहमति मिल जाने से एक नयी कनेक्टिविटी मिलेगी।

पूर्वी छोर की कनेक्टिविटी

पटना के पूर्वी छोर से उत्तर बिहार की कनेक्टिविटी का सबसे महत्वपूर्ण साधन गांधी सेतु है। जर्जर गांधी सेतु इन दिनों मरम्मत की प्रक्रिया में है। अगले तीन वर्षों में इसकी मरम्मत की प्रक्रिया आरंभ होगी। वहीं गांधी सेतु के समानांतर एक नया फोर लेन पुल केंद्र सरकार की राशि से बनाया जाना है। यह प्रधानमंत्री पैकेज का हिस्सा है। शीघ्र ही इसके डीपीआर की प्रक्रिया आरंभ होनी है। इसके निर्माण की अनुमानित लागत 3800 करोड़ रुपये है। इससे आगे बढ़ने पर राज्य सरकार अपनी निधि और एडीबी के ऋण से कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच छह लेन के पुल का निर्माण कर रही है। यह पुल अभी निर्माणाधीन है। इससे आगे बढ़ने पर बख्तियारपुर-ताजपुर पुल का निर्माण हो रहा है।